use of the land by Railways when required, with a view to generating additonal resources for Railways' developmental projects,

(b) No, Sir. There is, however, a proposal in this regard which is in initial ttages.

(c) About 61,000 hectare of railway-land is lying vacant at present, of which only a small portion wiil be suitable for commercial exploitation. I"he matter is in conceptual stage.

बगहा और छितौनी के बीच छोटी लाइन का बदला जाना

1105. **श्री राम नरेश यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बगहा और छितौनी के बीच छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का कार्य कब आरंभ हुआ था और इसकी अनुमानित लागत कितनी है ;

(ख) इस परियोजना का कार्य कब तक पुरा हो जाने की संभावना है और अभी तक इस पर कितनी राशि खर्च हुई है और इसके पूरा होने पर इस पर कितनी लागत आने की संभावना है ; और

(ग) इस परियोजना के कार्य के पूरा होने में विलंब के क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) बगहा और छितौनी के बीच छोटी लाइन को बड़ी लाइन में आमान परिवर्तन करने का कोई कार्य नहीं चल रहा है । बगहा और छितौनी के बीच लाइन पुन-स्थापन की एक परियोजना है ।

(ख) और (ग) 31-12-91 तक खर्च की गई राशि 30 करोड़ रुपये है, रेलवे, जल संसाधन मंत्रालय तथा उत्तर प्रदेश और बिहार की राज्य सरकारों के बीच लागत वहन की भागीदारी के आधार पर यह कार्य अनुमोदित किया गया है । यद्यपि रेलवे ने अपने पूरे हिस्से की राशि जमा करा दी है और जल-संसाधन मंत्रालय तथा बिहार सरकार अपने हिस्से की राशि जमा कराने के लिए सहमत है, परन्तु उत्तर प्रदेश सरकार अपने हिस्से की राशि जमा नहीं कर रही है । इस कार्य की प्रगति तथा इसका पूरा होना सभी सहभागीदारों द्वारा अपने हिस्से की राशि जमा करा देने पर निर्भर करेगा ।

शाहगंज से मऊ तक वाया आजमगढ़ मीटरगेज लाइन को बदलने की लागत

1106. **श्री राम नरेश यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या शाहगंज जंकशन से मऊ जंकशन तक मीटर गेज लाइन को बड़ी लाइन में बदलने में अनुमानत: कितनी लागत आयेगी ;

(ख) इस लाइन पर कार्य कब तक आरंभ हो जाने की संभावना है ;

(ग) क्या इस परियोजना का कार्य वर्ष 1994 तक पूरा हो जाने की संभावना है ;

(घ) गत पांच वर्ष के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में रेलवे लाइनों पर अब तक जिलावार कितनी धन राशि खर्च की गई हैं ; और

(ङ) लाइन बदलने के संबंध में वर्तमान योजना का जिलावार ब्यौरा क्या है और उन पर कितने करोड़ रुपये की धन राशि खर्च किए जाने की संभावना है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) इस परि-योजना की अनुमानित लागत 40.59 करोड़ रुपये (1991-92 की दरों पर) है ।

(ख) यह अनुमोदित परियोजना नहीं है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) और (ङ) रेलवे खर्च की गई राशि का लेखा राज्यवार या जिले-वार नहीं रखती है ।

रेल लाइनों का विद्युतीकरण

1107. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी सुशीला तिरिया :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) निकट भविष्य में रेल लाइनों का विद्युतीकरण करने की योजनाओं का राज्यवार ब्यौरा क्या है ;

(ख) इसके लिए वर्ष 1991-92 में कितनी धन राशि निर्धारित की गई है ; और

(ग) मध्य प्रदेश में रेल लाइनों के विद्युतीकरण में कितनी प्रगति हुई है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) आठवीं पंचवर्षीय योजना तथा इसके बाद की अवधि के लिए विद्युतीकरण कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है । इस समय 2377 मार्ग कि० मी० में विद्युतीकरण का कार्य चल रहा है तथा 1961 मार्ग कि० मी० में विद्युतीकरण करने के प्रस्तावों को 1992-93 के रेल बजट में शामिल किया गया है ।

(i) इस समय चल रहे विद्युतीकरण संबंधी कार्यों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :-

खंड	कुल मार्ग कि० मी०	ऊर्जित मार्ग कि० मी०	शेष मार्ग कि० मी०	लागत (करोड़ रुपयों में)	संबंधित राज्य	मार्ग कि० मी०
1	2	3	4	5	6	7
भोपाल-नागदा तथा	239	171	68	105.77	मध्य प्रदेश	68
साबरमती-गांधीनगर वस्तुपरक आशोधन के रूप में शामिल	(+)28	—	28		गुजरात	28
जोलारपेटटै-बेंगलूरु	143	73	70	50.00	कर्नाटक	70
जोलारपेटटै-ईरोड तथा सेलम-मेट्टूर बांध	221	153	68	72.05	तमिलनाडु	68
बीना-कटनी	263	—	263	86.27	मध्य प्रदेश	263
कटनी-बिलासपुर, अनुपपुर-बिश्रामपुर/ चिरीमिरी	502	—	502	130.14	मध्य प्रदेश	502
काजीपेट-सनतनगर	167	18	149	71.01	आंध्र प्रदेश	149
सीतारामपुर-आझा	154	—	154	55.20	पं० बंगाल	16
					बिहार	138
सोननगर-पतरातू	291	—	291	110.24	बिहार	291